दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 15 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 347

महत्वपूर्ण एवं खास

केरल में मिला निपाह वायरस का बांग्लादेशी वैरिएंट, दो की मौत; स्कूल-कॉलेज 2 दिनों के लिए बंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। केरल में निपाह वायरस का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कोझिकोड में 'निपाह' से 2 मरीजों की मौत के बाद सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियों का ऐलान किया गया है। सरकार ने ऐहतियातन कुछ स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों को बंद कर दिया है और 7 गांवों को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। वहीं, केरल सरकार ने कहा कि लोगों को कोझिकोड जिले में फैले निपाह संक्रमण से घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, लेकिन उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। सरकार ने 2 दिनों के लिए स्कूल-कॉलेजों को भी बंद रखा है। वहीं, सरकार की तरफ से बताया गया है कि राज्य में मिले वायरस का स्वरूप बांग्लादेश में मौजूद वायरस के वेरिएंट से मिलता जुलता है, जो मानव से मानव में फैलता है। इसकी मृत्यु दर भी अधिक है। हालांकि यह वायरस कम संक्रामक है।

मुजफ्फरपुर में सीएम के कार्यक्रम से पहले बड़ा हादसा: बच्चों से भरी नाव बागमती नदी में डूबी, 18 अभी भी लापता

मुजफ्फरपुर (आरएनएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम से पहले बड़ा नाव हादसा हुआ है। सूत्रों के अनुसार स्कूली बच्चों से भरी नाव बागमती नदी में डूब गई है। जब वक्त यह हादसा हुआ, उस समय नाव में 34 से अधिक स्कूली बच्चे सवार थे। घटना गायघाट थाना के बेनीबाद ओपी स्थित मधुरपट्टी घाट के पास की है। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई है। पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल 18 बच्चे अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। मौके पर एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के अधिकारी कुछ भी कहने से परहेज कर रहे हैं। हादसे के बाद स्थानीय गोताखोर बच्चों को निकालने में लगे हैं।

गाजा सीमा पर विस्फोट, पांच लोगों की मौत

गाजा। इजरायल-गाजा सीमा पर एक विस्फोट में कम से कम पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी। गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि फिलिस्तीनियों के सामूहिक प्रदर्शन के दौरान हुए विस्फोट में 25 अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट से पहले, सीमा पर कई फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजरायली सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान इजरायली सैनिकों ने गोलियां और आंसू गैस के गोले दागे। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि फिलिस्तीनियों द्वारा बैरियर पर विस्फोटक उपकरण और हथगोले फेंकने के बाद इजरायली सैनिकों ने उनको तितर-बितर करने के उपाय किए। आईडीएफ ने दावा किया कि इजरायलियों को चोट पहुंचाने के प्रयास में प्रदर्शन के दौरान फिलिस्तीनी दंगाइयों द्वारा एक विस्फोटक उपकरण रखा गया था। विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

सूडान में हवाई हमले में 40 की मौत

खार्तूम। दक्षिण-पश्चिमी सूडान के दक्षिण दारफुर की राजधानी न्याला में बाजार और रिहायशी इलाकों पर हुए हवाई हमलों में कम से कम 40 लोग मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों और चिकित्सा सूत्रों ने यह जानकारी दी है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि युद्धक विमानों ने अल-साद अल-अली, अल-रियाद और टेक्सास के पड़ोस सहित आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाकर हमले किए। न्याला में लोकप्रिय अल-मलाजा बाजार को भी हवाई हमले में निशाना बनाया गया। इन हवाई हमलों में लगभग 40 नागरिक मारे गए। केंद्र के एक चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि न्याला में अल-वोहदा स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी संख्या में घायल लोग आए, जिनमें से कुछ लोगों की तो पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि कुछ अन्य की वहां पहुंचने के बाद मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने अपने बयान में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) पर प्रांतीय राजधानी में हवाई हमलों में नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया, जिसमें 40 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। आरएसएफ ने कहा कि मलबे के नीचे शवों की तलाश अभी भी जारी है।

छत्तीसगढ़ मेरे लिए पावर हाउस की तरह - प्रधानमंत्री मोदी

- 6350 करोड़ की रेल परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित
- नौ जिलों में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास

रायगढ़/रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां 6350 करोड़ की रेल परियोजना को देश को समर्पित किया। उन्होंने राज्य के 9 जिलों में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ मेरे लिए पावर हाउस की तरह है। प्रदेश के विकास के लिए हमने निरंतर काम किया है। यहां के जंगल-जमीन की रक्षा भी करेंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास भी करेंगे। आज छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए आज अनेक योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में देश में ऐसे प्रोजेक्ट की संख्या बढ़ेगी और इसका लाभ छत्तीसगढ़ जैसे राज्य को जरूर मिलेगा। इसी सोच के साथ बीते 9 वर्षों में हमने छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के लिए निरंतर काम किया है। उस विजन का, उन नीतियों का परिणाम आज हमें यहां दिख रहा है। आज छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार द्वारा बड़ी योजनाएं पूरी की जा रही हैं। नई-नई योजनाओं की नींव रखी जा रही है।

बंद खदान इको टूरिज्म के रूप में विकसित- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें देश की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करना है और पर्यावरण की भी सुरक्षा करना है। इसी दिशा में सूरजपुर जिले में बंद पड़ी खदान को इको टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा रहा है। कोरबा क्षेत्र में भी ईको पार्क विकसित करने का काम किया जा रहा है। आज खदानों से निकले पानी से हजारों लोगों को सिंचाई और पेयजल की सुविधा प्रदान की जा रही है। इन सभी प्रयासों का सीधा लाभ इस क्षेत्र के जनजातीय समाज के लोगों को होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आधुनिक विकास की तेज रफ्तार के साथ ही गरीब कल्याण के भी तेज रफ्तार का भारतीय मॉडल दुनिया देख रही है। कुछ दिन पहले जी.20 सम्मेलन के दौरान बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आए थे, ये सभी भारत के विकास, गरीब कल्याण के प्रयासों से प्रभावित होकर गए हैं। आज दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं भारत की सफलता से सीखने की बात कह रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज विकास में देश के हर राज्य को, हर इलाके को बराबर प्राथमिकता मिल रही है। जैसा उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें मिलकर देश को आगे बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ और रायगढ़ का यह इलाका भी इसका गवाह है।

केंद्र की ओर से कभी हाथ तंग नहीं रहे : सिंहदेव- प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि हर 10 में से 1 व्यक्ति सिकलसेल से ग्रसित है। इनके लिए केंद्र जो काम कर रहा है, मैं उसका शुक्रिया अदा करता हूं। राज्य ने उन सभी उत्तरदायित्वों का पालन किया, जो राज्य के क्षेत्र के हैं। संघीय ढांचे को इसी तरह आगे लेकर जाएंगे। मैंने भेदभाव महसूस नहीं किया। बतौर एक साथी, बतौर हक केंद्र की ओर से कभी हाथ तंग नहीं रहे। आने वाले समय में इस संघीय ढांचे की व्यवस्था को आगे बढ़ाते रहेंगे। सभी क्षेत्रों में साझा भागीदारी से विकास करेंगे। मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 6350 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण रेल क्षेत्र की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन 50 किमी लंबी है। इसका निर्माण लगभग 516 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। साथ ही चांपा और जामगा रेलखंड के बीच 98 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन का निर्माण करीब 796 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। तलाईपल्ली कोयला खदान को एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एसटीपीएस) से जोड़ने वाली एमजीआर (मेरी-गो-राउंड) प्रणाली भी शामिल है। 2070 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित एमजीआर प्रणाली, कोयला खदानों से बिजली स्टेशनों तक कोयला परिवहन में सुधार के लिए बनाई गई है।

प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत कुल 210 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग, कोंडागांव, राजनांदगांव, गरियाबंद, जशपुर, सूरजपुर, सरगुजा, बस्तर और रायगढ़ जिलों में 9 क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। साथ ही सिकलसेल रोग की जांच की गई आबादी को एक लाख सिकलसेल परामर्श कार्डों का भी वितरण किया। सिकलसेल परामर्श कार्ड का वितरण राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएसएईएम) के तहत किया जा रहा है।

कश्मीर में 3 साल में सबसे बड़ा आतंकी हमला : एक जवान अभी भी लापता, सेना ने लश्कर के दो आतंकी घेरे

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग और राजौरी जिले में पिछले तीन दिन से जारी आतंकवाद रोधी अभियान में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया, जबकि तीन अफसर और 2 जवान शहीद हो गए। जबकि एक जवान अभी भी लापता बताया जा रहा है। कश्मीर में यह पिछले तीन साल का सबसे बड़ा आतंकी हमला है। जिसमें इतने बड़े अफसरों की शहादत हुई है।

इससे पहले बुधवार को अनंतनाग में मुठभेड़ के दौरान सेना के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोंचक और कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट शहीद हो गए। वहीं, गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों ने कोकेरनाग में लश्कर के दो आतंकियों को घेरा है। राजौरी में सोमवार की रात को शुरू हुए एनकांउटर में सेना ने 2 आतंकी मार गिराए, जबकि राइफलमैन रवि कुमार शहीद हो गए थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सात सितंबर को राजौरी जिले के मठियानी गाला इलाके में बैग के साथ दो अज्ञात लोगों के बारे में सूचना प्राप्त हुई थी। जानकारी के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सहयोगी खुफिया एजेंसियों ने एक संयुक्त अभियान चलाया था।

साइबर खतरों से राष्ट्रीय सुरक्षा में उभरती चुनौतियों के समाधान को लेकर एफआईसीसीआई होमलैंड सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस का होगा आयोजन

- आंतरिक सुरक्षा के लिए एआई और डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाने को लेकर भी होगी चर्चा
- सम्मेलन के दौरान प्रदान किए जाएंगे फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग पुरस्कार

नई दिल्ली (आरएनएस)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) 15 सितंबर, 2023 को दिल्ली के एफआईसीसीआई हाउस में एफआईसीसीआई

होमलैंड सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस 2023 की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा और पुलिसिंग रणनीतियों में नवीनतम प्रगति की गहन चर्चा और रिसर्च के लिए एक मंच के रूप में काम करना है।उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान, फिक्की राज्य पुलिस विभागों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) के महत्वपूर्ण योगदान को प्रतिष्ठित एफआईसीसीआई स्मार्ट पुलिसिंग पुरस्कारों से सम्मानित करेगा। ये पुरस्कार होमलैंड सिक्योरिटी और पुलिस व्यवस्था के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिए जाएंगे। उद्घाटन सत्र का मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पूर्व महानिदेशक और उत्तर प्रदेश और असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रकाश सिंह द्वारा दिया गया मुख्य भाषण होगा।

सत्र को विवेकानन्द इंटरनेशनल फाउंडेशन के निदेशक और भारत सरकार के पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ. अरविंद गुप्ता भी संबोधित करेंगे। फिक्की ने कहा कि हमें फिक्की होमलैंड सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस आयोजित करने पर गर्व है, जो विशेषज्ञों को एक साथ आने और अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों की मदद से देश की सुरक्षा के लिए नए युग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है।उद्घाटन सत्र के बाद, सम्मेलन चार व्यावहारिक सत्रों के साथ आगे बढ़ेगा।

सत्र 1 आंतरिक सुरक्षा के लिए एआई, एमएल और डेटा एनालिटिक्स। सत्र 2 प्रभावी कानून प्रवर्तन के लिए साइबर अपराध प्रबंधन। सत्र 3 आंतरिक सुरक्षा के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां(टेक्नोलॉजिस)।

सत्र 4 स्मार्ट पुलिसिंग में सर्वोत्तम अभ्यास। फिक्की होमलैंड सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस 2023 एक बौद्धिक रूप से प्रेरक और सूचनात्मक कार्यक्रम होने का वादा करती है, जो विचारों के आदान-प्रदान और हमारे देश की सुरक्षा के सामने आने वाली जटिल चुनौतियों के लिए नवीन समाधानों की खोज के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

पीएम मोदी का इंडिया पर प्रहार, बोले- घमंडिया गठबंधन की नीति सनातन परंपरा को समाप्त करने की

सागर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के सागर जिले के बीना में पेट्रोकेमिकल परिसर सहित अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास किया और इन परियोजनाओं को राज्य की तस्वीर बदलने वाला भी बताया। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि उनकी नीति सनातन परंपरा को समाप्त कर देश को गुलामी के रास्ते पर ले जाने की है।

पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित जी-20 की बैठक की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस सफलता से देश के हर नागरिक ने गर्व महसूस किया है। इस आयोजन का श्रेय मोदी को नहीं बल्कि पूरे देश की 140 करोड़ जनता को है। यह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। हम दुनिया के देशों को जोडऩे में समर्थ हैं और भारत विश्व मित्र के रूप में सामने आ रहा है। मगर कुछ लोग हैं जो देश और समाज को विभाजित करने में जुटे हुए हैं।

पीएम ने कहा, उन्होंने इंडिया एलाइंस बनाया है। कुछ लोग इसे घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं। इनका नेता तय नहीं है। नेतृत्व को लेकर भ्रम है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों की मुंबई में हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हिडन एजेंडा बनाया है और जो नीति बनाई है वह भारत की संस्कृति पर हमला करने की है। भारतीयों की आत्मा पर हमला करने की है। विवेकानंद हो, देवी अहिल्याबाई हो, झांसी की रानी हो या महात्मा गांधी। गांधी ने सनातन धर्म का जीवनपर्यंत पालन किया और उसके चलते ही देश को जोड़े रखा। उस परंपरा को यह घमंडिया गठबंधन के लोग खत्म करना चाहते हैं, उस ताने-बाने को तबाह करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि अभी इन्होंने खुलकर हमले बोलना शुरू किया है, यह और आगे बढ़ाने वाले हैं इसलिए देश के कोने-कोने के सनातनियों को देश के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। वे लोग सनातन को तबाह कर देश को एक हजार साल की गुलामी की ओर धकेलना चाहते हैं। हमें मिलकर ऐसी ताकतों को रोकना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बीना में आयोजित समारोह में पेट्रोकेमिकल परिसर के अलावा प्रदेश की कई अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, वीरेंद्र खटीक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

दर्दनाक हादसा: मिनी वैन और ट्रक के बीच आमने-सामने टक्कर, 10 लोगों की मौत

लीमा। दक्षिणी पेरू के अरेक्विपा क्षेत्र में एक मिनी वैन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। मीडिया ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा है कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 9.10 बजे (1410 जीएमटी) पर एक सुरंग के प्रवेश द्वार पर हुई। मृतकों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस और अग्निशमन कर्मी पीड़ितों की मदद करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुणे हवाई अड्डे पर 33.93 लाख रुपए के सोने के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीमा शुल्क अधिकारियों ने पुणे हवाई अड्डे से सोने की तस्करी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस सोने की कीमत 33.93 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक दुबई से आए आरोपी को 11 सितंबर को पकड़ा गया था।

अधिकारी ने कहा, प्रोफाइलिंग के आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। हमें पता चला कि वह अपने गुप्त स्थान पर सोना छिपाया हुआ था। 555.6 ग्राम वजन और 33.93 लाख रुपये मूल्य के सोने के पेस्ट के दो कैप्सूल बरामद किए गए।

जब्त किए गए सोने को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के प्रावधानों के तहत कब्जे में लिया गया। वहीं सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 104 के तहत उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले की अतिरिक्त जांच जारी है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर बासमती चावल पर एमईपी का मुद्दा उठाएंगे सांसद विक्रमजीत साहनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को तर्कसंगत बनाने में उनके हस्तक्षेप का आह्वान करने हेतु पंजाब के संसद सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। मालूम हो कि बासमती चावल का न्यूनतम निर्यात मूल्य केंद्र सरकार द्वारा 1200 डॉलर तय किया गया है, जिससे भारत से निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

आज साहनी ने बासमती चावल निर्यातक संघ के पदाधिकारियों के साथ इस मामले को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के समक्ष अमृतसर में एक औद्योगिक संवाद बैठक सरकार सनातन मिलनी में इस मुद्दे को उठाया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा सांसद विक्रम सिंह साहनी को इस मुद्दे को सुलझाने का प्रयास करने हेतु एक प्रतिनिधिमंडल लेकर मंत्री गोयल से मिलेंने के लिए अधिकृत किया की।

वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भी अपनी ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को चावल निर्यात मानदंडों में छूट के लिए एक आधिकारिक पत्र लिखेंगे।

साहनी के ने बताया कि बासमती चावल पर केंद्र सरकार के न्यूनतम निर्यात मूल्य के फैसले के संबंध में पंजाब राइस मिलर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन, जो भारत में बासमती चावल व्यापार के लिए अग्रणी संघ है, उनके द्वारा उन्हें एक अनुरोध प्राप्त हुआ था।

साहनी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को एक लिखित संचार में कहा की कि वर्ष 2022-23 के लिए भारत में बासमती चावल का कुल उत्पादन 6.00 मिलियन टन है और वहीं गैर-बासमती चावल का कुल उत्पादन 135.54 मिलियन टन है। गैर-बासमती चावल के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जिसके तहत प्रति टन 300 अमेरिकी डॉलर की किस्म को 20त्न निर्यात शुल्क के साथ निर्यात करने की अनुमति है। जबकि 1509 बासमती चावल, जो चावल की अधिक कीमत वाली किस्म है, की अनुमति नहीं है। यदि चावल की कम कीमत वाली किस्म भारत से बाहर चली जाएगी और ऊंची कीमत प्रतिबंधित हो जाएगी, तो कीमतों को नियंत्रित करने का एजेंडा विफल हो जाएगा, साहनी ने कहा।

साहनी ने बताया कि बासमती चावल की खरीद भारत सरकार द्वारा पीडीएस प्रणाली के तहत नहीं की जाती है और चूंकि देश की केवल 2-3प्रतिशत आबादी ही इस उच्च कीमत वाली वस्तु का उपभोग करती है, इसलिए यह किसी भी तरह से देश में खुदरा खाद्य महंगाई पर प्रभाव नहीं डालता है।

साहनी ने कहा कि इस फैसले से हमारे देश के बासमती किसानों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बासमती चावल की लगभग 40 किस्में स्ष्ठ850 से स्ष्ठ1600 प्रति टन तक हैं। बासमती चावल की निचली किस्मों का निर्यात बाजार में 70त्न योगदान है। भारत सरकार द्वारा लगाया गया यह एमईपी किसानों की आय पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा क्योंकि एमईपी पर निर्णय के कारण कीमतें गिर जाएंगी।

सांसद साहनी ने आगे कहा कि 1200 अमेरिकी डॉलर पर एमईपी लगाने का निर्णय निर्यात की औसत कीमत से लगभग 350 अमेरिकी डॉलर अधिक है। भारतीय निर्यात लगभग 70त्न $850 के मूल्य वर्ग में है, जबकि $1200 – 1700 के बीच निर्यात का उच्च मूल्य भारत से निर्यात का लगभग 25-30त्न है। इस फैसले से हमारे 70त्न बासमती चावल निर्यात पर असर पड़ेगा और भारतीय निर्यातक अपनी मेहनत से कमाया गया खरीदार आधार पाकिस्तान के हाथों खो देंगे, मालूम हो कि पाकिस्तान बासमती निर्यात बाजार में भारत का प्रतिस्पर्धी है। हाल ही में बासमती व्यवसाय के प्रमुख गंतव्य तुर्की में संपन्न इस्तांबुल खाद्य मेले में एक भी भारतीय कंपनी को कोई नया ऑर्डर नहीं मिल सका।